



This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit. The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website
<https://kksu.co.in/>

Digitization was executed by NMM

<https://www.namami.gov.in/>

Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhed
Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade
Librarian

Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi
<https://egangotri.wordpress.com/>

M-507

कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत
विश्वविद्यालय ग्रंथालय, रामटेक

हस्तलिखित संग्रह

दाखल क्र. M. 507 विषय शोभा
नांव- अक्षरमालिका शोभा M. 507
लेखक/लिपीकार
पृष्ठ 9
काळ पूर्ण/अपूर्ण

M-507

॥ श्री ॥ १६

॥ श्री ओं नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

॥ अक्षरमात्मिकास्तो ॥

॥ त्रयारंभः ॥

॥ १॥ श्री परया परया परमे
श्वर पापरहित परसां
वशिना ॥ सांबसदा
शिवसांब
सांबसदा शिव ॥ सां ॥
वशिना ॥

॥ अद्भुतविग्रह जमराधी
श्वर अगणितगुणगण
अमित शिव ॥ सांब ॥

॥ आनंदामृत आश्रितर
क्षक आत्मानंदमहेश
शिव ॥

३ इंदु कलाधर इन्द्रादिभि
यसुंदर लपसुर राशि
वा ॥ ०

४ इरासुरेश महेशजन
प्रियकेश नसेवित की
तिशिया ॥

५ उरगादि प्रियभूषणं
नरनरक विनाशनटे
राशिया ॥

६ कजितदान ननाशपरा
परजाजितपापविना
राशिया ०

७ भूनेदश्रुतिमौलि प्रिभू
षण अनन्यमंदाग्नि विने
नशिया ०

८ रूपनामादिप्रपंचविल
क्षणतापनिवारणतत्त्व

१२। च। ०

६। लिंग स्वरूप सर्वशिव
धुप्रियमंगलमूर्तिमह
दाशिवा ॥

१०। लता श्रीश्वररूपप्रिय

शंकरवेदां
तप्रियवेद्य
शिवा ॥

११। एकांते
स्वरूपचिश्चे
श्वरभोगा
दिप्रियपूर्ण
शिवा ॥

१२। ऐश्वर्येश्वर
त्रिन्मयत्रि
दानजय्यु

[OrderDescription]
,CREATED=14.11.19 10:39
,TRANSFERRED=2019/11/14 at 10:43:13
,PAGES=5
,TYPE=STD
,NAME=S0002093
,Book Name=M-507-AKSHAR MALIKA STROT
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
,FILE5=00000005.TIF
,